Nalanda Open Universiry

e-content for B.A/BSc Home science(Honours)

Part-3,paper-7,soni kumari,research scholar ,M.U,councillor NOU,Patna,Bihar.

Topic- प्रसार शिक्षा के सिद्धांत एवं दर्शन।

प्रसार शिक्षा के सिद्धांत

- प्रसार शिक्षा मुख्य रूप से ग्रामीण जीवन से जुड़ी हुई है।ग्रामीणों की आवश्यकताओं को समझना, समस्याओं को पहचानना तथा उन समस्याओं में का हल ढूंढना प्रसार शिक्षा का लक्ष्य है। प्रसार शिक्षा का सिद्धांत का तात्पर्य उनसे है जो प्रसार कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अत्यंत आवश्यक होते हैं ।अतः ऐसे कार्य जो मनुष्य का विकास इस प्रकार से करें कि वह स्वावलंबी बनकर,आत्मनिर्भर होकर अपना, अपने परिवार तथा समाज का विकास कर सके प्रसार शिक्षा के प्रमुख सिद्धांत है-

प्रसार शिक्षा के सिद्धांत

1) रुचियां एवं अनुभूत आवश्यकताओं का सिद्धांत
2) स्वैच्छिक शिक्षा का सिद्धांत
3) स्वयं की सहायता का सिद्धांत
4) करके सीखने का सिद्धांत
5) स्वावलंबन सिद्धांत
6) सहयोग का सिद्धांत
7) अनुनय अभिप्रेरणा एवं प्रोत्साहन का सिद्धांत
8) घीमा किंतु सतत् विकास का सिद्धांत
9) लचीलापन का सिद्धांत
10) सांस्कृतिक भिन्नता का सिद्धांत
11) सांस्कृतिक परिवर्तन का सिद्धांत
12) तृण-मूल संगठन का सिद्धांत
13) सहभागिता का सिदांत
14) संपूर्ण परिवार तक पहुंच का सिद्धांत
15) नेतृत्व का विकास
16) संतुष्टि का सिद्धांत
17) प्रजातांत्रिक पहुंच का सिद्धांत

18) व्यवहारिक विज्ञान का सिद्धांत
19) प्रशिक्षित विशेषज्ञों का सिद्धांत
20) निरपेक्षता एवं तटस्थता का सिद्धांत
21) समता का सिद्धांत
22) स्थानीय संसाधनों के प्रयोग के सिद्धांत
23) स्थानीय संगठनों के सहयोग का सिद्धांत
24) शिक्षण विधियों के प्रयोग से अनुकूलनशीलता का सिद्धांत
25) मूल्यांकन का सिद्धांत।

प्रसार शिक्षा के दर्शन

- प्रसार शिक्षा का दर्शन मानव विकास पर आधारित है। प्रसार शिक्षा का दर्शन अत्यंत ही विस्तृत लाभकारी व्यवस्थित एवं सागर से भी अधिक गहराई लिए होता है इसका दर्शन हर एक व्यक्ति का 'उत्थान' कर 'सुखद जीवन' प्रदान करना है। प्रसार शिक्षा का दर्शन निम्नानुसार है-

1) प्रसार शिक्षा अनवरत् रूप से चलने वाली शैक्षिक प्रक्रिया है।
2) प्रसार शिक्षा लोगों के ज्ञान ,अभिवृत्तियो तथा कौशल में परिवर्तन लाता है।
3) प्रसार सभी लोगों,(स्त्री -पुरुष , लड़का- लड़की)के साथ कार्य करता है तथा उनकी रुचियों आवश्यकताओं को दृष्टिगत करते हुए उनका समाधान सुझाता है।
4) प्रसार लोगो को अपनी आवश्यकताओं को पहचान ने में मदद करता है।

5) प्रसार करके सीखने तथा देखकर विश्वास करने के सिद्धांत पर आधारित है।

6) प्रसार शिक्षा में स्थानीय संस्कृति तथा रिती-रिवाज को प्राथमिकता दी जाती है।यह लोगों के संस्कृति के साथ तालमेल बिठाकर कार्य करती है।

7) प्रसार शिक्षा एक सामुदायिक कार्यक्रम है इसकी सफलता के लिए जन सहयोग आवश्यक है।

8) प्रसार शिक्षा स्वयं सेवा किस सिद्धांत पर आधारित है।

9) प्रसार शिक्षा परिवर्तनशील है इसमें मानव जीवन की आदतें ,चिंतन, धारणा,तथा व्यक्ति के पारस्परिक संबंधों में परिवर्तन सम्मिलित है।

10) प्रसार शिक्षा लोगों के सुखद जीवन तथा कल्याण के लिए कार्य करती है।

हर एक व्यक्ति का विकास करना, एक स्वस्थ समाज एवं राष्ट्र का निर्माण करना है ही प्रसार शिक्षा का दर्शन है कोई भी व्यक्ति इस धरती पर भूखा ना रहे, मूलभूत आवश्यकताओं से वंचित ना रहे, दुखी व घड़ी बना रहे ,यही प्रसार शिक्षा का दर्शन है।

धन्यवाद